an>

Title: Need to set up a National Disaster medical Response Force for providing medical help during natural disasters.

डॉ. मनोज राजोरिया (करौली-धौलपुर)ः मैं सरकार का ध्यान भारत में प्राकृतिक आपदा के समय चिकित्सा प्रबंधन व उससे जुड़ी समस्याओं की तरफ आकर्षित कराना चाहता हूँ। हाल के वर्षों में जम्मू-कश्मीर एवं चैन्नई में आई बाढ़ के दौरान हमने देखा कि बड़े अस्पताल पानी में डूब गए और संचार व्यवस्था ठप्प हो गई। ऐसा उस समय हुआ जब इस व्यवस्था के पीड़ितों को सबसे ज्यादा जरूरत थी। आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अनुसार प्रभावित क्षेत्र में मेडिकल सुविधा पहुंचाने की जिम्मेदारी राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को दी गई है सभी मंत्रालयों को आपदा से लड़ने की, लोगों की क्षमता बढ़ाने के लिए राहत कोष फण्ड मुहैया कराने की बात कही गई है। अमेरिका में प्राकृतिक आपदाओं के समय मेडिकल सहायता के लिए National Disaster Medical System बनाया गया है। साथ ही, फिलीपीन्स में जल्द स्वास्थ्य सुविधा के लिए एक मेडिकल इमरजेंसी फण्ड बनाया गया है। भारत में ऐसे विशेष फण्ड तथा राष्ट्रीय स्तर पर Disaster Medical System का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे आपातकालीन समय में तत्काल चिकित्सा सुविधा पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कोई फ्रेमवर्क नहीं है। विभिन्न विभागों तथा मंत्रालयों के बीच बेहतर ताल-मेल की कमी है। भारत में आपदा क समय सबसे पहले NDRF की टीम को भेजा जाता है जो मेडिकल सहायता के लिए विशेष तौर पर प्रशिक्षित नहीं होते हैं। अतः इस संबंध में सरकार द्वारा निम्न आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिएः-

1. National Emergancy Medical Protocol बनाया जाए। इसके तहत विभिन्न मंत्रालयों, विभागों तथा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच समन्वय स्थापित किया जाए।
2. राष्ट्रीय स्तर पर तत्काल मेडिकल सहायता के लिए फ्रेमवर्क बनाया जाए।
3. NDRF के ताल-मेल में एक स्पेशल सिस्टम बनाया जाए जो दवा आपूर्ति, चिकित्सा सहायता, आपातकालीन तैयारियां एवं प्रशिक्षण का कार्य करे।
4. National Disaster Medical System बनाया जाए जिसमें प्रशिक्षित डॉक्टर तथा अन्य मेडिकल स्टाफ को शामिल किया जाए।
5. राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष मेडिकल इमरजेंसी फण्ड की स्थापना की जाए।

इस प्रकार आपातकालीन परिस्थितियों में पीड़ित लोगों तक निर्बाध मेडिकल सहायता पहुंचाने में सरकार को सहूलियत होगी तथा हम अधिक से अधिक लोगों को प्रभावित क्षेत्र से सुरक्षित निकालने में सक्षम हो सकेंगे।